

दुपहिया वाहन बिक्री अप्रैल में बढ़ी

बजाज, होंडा और रॉयल इनफिल्ड जैसी कंपनियों की घरेलू और वैश्विक बाजार में तेजी

नयी दिल्ली, 03 मई अप्रैल 2026 में देश में दुपहिया वाहन बाजार ने मजबूती दिखाई है, जिससे ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े हालिया सुधार, कम ब्याज दर और लोगों की व्यय योग्य आय में वृद्धि को प्रमुख कारक माना जा रहा है।



इसमें घरेलू बिक्री 5,32,433 इकाई और निर्यात 33,653 इकाई रही, जो क्रमशः 85 प्रतिशत और 99 प्रतिशत अधिक है। कुल बिक्री में मोटरसाइकिल का योगदान 5,01,791 इकाई और स्कूटर का 64,295 इकाई रहा, जिनमें क्रमशः 75 प्रतिशत और 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री की अप्रैल में 17 प्रतिशत बढ़कर 5.63 लाख इकाई पर पहुंच गई। इस दौरान घरेलू बिक्री 4.84 लाख इकाई और निर्यात 79,600 इकाई रही, जिनमें क्रमशः 14.7 प्रतिशत और 37.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अप्रैल में बिक्री में यह वृद्धि कई आर्थिक और वित्तीय कारकों का परिणाम है, जीएसटी में सुधार ने पंजीकरण प्रक्रिया और कराधान को आसान बनाया है। इसके अलावा, ब्याज दर में कमी और लोगों की वचत तथा व्यय योग्य आय में वृद्धि ने उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता को बढ़ाया है। ऑटो इंडस्ट्री विशेषज्ञ राकेश शर्मा कहते हैं, 'अप्रैल की बिक्री में यह जोरदार उछाल दर्शाता है कि भारतीय बाजार में दुपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी हुई है। यह वृद्धि विशेष रूप से छोटे और मिड-साइज मोटरसाइकिल तथा स्कूटर से प्रेरित रही है।'

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों और पीएमआई आंकड़ों का असर

मुंबई, 03 मई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह निवेशकों का रुख वैश्विक कारकों और पीएमआई के आंकड़ों से तय होगा। वैश्विक कारकों में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमत पर होगी। घरेलू स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े 04 मई को और सेवा क्षेत्र के 06 मई को जारी होने हैं। बीते सप्ताह सोमवार और बुधवार को प्रमुख संकेतकों में तेजी रही जबकि मंगलवार और गुरुवार को गिरावट देखी गयी। शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद रहा। सप्ताह के दौरान बीएसई का संकेतक 249.29 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त में 76,913.50 अंक पर बंद हुआ।

एफपीआई ने अप्रैल में 70,449 करोड़ निकाले

एफपीआई की भारतीय पूंजी बाजार से दूरी लगातार बढ़ती नजर आ रही विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को लेकर फिलहाल सतर्क



मुंबई 03 मई अप्रैल। विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय पूंजी बाजार से दूरी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। अप्रैल महीने में एफपीआई ने कुल 70,449 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की, जो बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का रुख अपनाया है। इससे पहले मार्च में उन्होंने रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये बाजार से निकाले थे, जिससे निवेशकों की चिंताएं और गहरी हो गई हैं।

शुद्ध बिकवाली को, जो यह दर्शाता है कि विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को लेकर फिलहाल सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। वहीं डेट से भी 13,081 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई, जो बॉन्ड बाजार में भी कमजोरी का संकेत देती है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने पूरी तरह से निवेश से दूरी नहीं बनाई है। उन्होंने हाइब्रिड उपकरणों में 592 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि म्यूचुअल फंड में 417 करोड़ रुपये डाले।

वर्तमान कैलेंडर वर्ष की बात करें तो फरवरी को छोड़कर बाकी महीनों में एफपीआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं। अब तक 2026 में उन्होंने कुल मिलाकर 1,88,664 करोड़ रुपये भारतीय पूंजी बाजार से निकाल लिए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, ब्याज दरों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारकों का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिपा, डॉलर की मजबूती और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता जैसे कारक एफपीआई के फ्लो को प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर भी महंगाई, ब्याज दरों और आर्थिक विकास की गति जैसे मुद्दे निवेशकों की रणनीति को तय कर रहे हैं।

सोने की कीमतों में स्थिरता

चांदी अब भी ऊंचाई से करीब 2 लाख रुपये सस्ती

नई दिल्ली, 3 मई। देश में सोने की कीमतों में हल्की नरमी के साथ स्थिरता देखने को मिल रही है, जबकि चांदी अपने रिकॉर्ड हाई से अब भी करीब 2 लाख रुपये प्रति किलो सस्ती बनी हुई है।



निवेशकों के लिए यह समय सतर्कता के साथ अवसर भी लेकर आया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास बनी हुई है, जबकि 22 कैरेट सोना करीब 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं 20 कैरेट सोने की कीमत लगभग 61,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास देखी जा रही है। बीते सप्ताह के मुकाबले सोने में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है, जिससे बाजार में स्थिरता का माहौल बना हुआ है।

दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चांदी फिलहाल करीब 80,000 से 85,000 रुपये प्रति किलो के बीच चल रही है, जो इसके हालिया उच्च स्तर से लगभग 2 लाख रुपये तक कम है। यह गिरावट वैश्विक बाजारों में मांग कमजोर होने और डॉलर की मजबूती के कारण देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना अभी भी सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है, खासकर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच।

डॉलर इंडस्ट्रीज के संस्थापक दीनदयाल का निधन

कोलकाता, 3 मई प्रसिद्ध उद्योगपति और डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन एमरेटिस श्री दीनदयाल गुप्ता का कोलकाता में आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। उनके निधन के साथ ही कंपनी और भारतीय होजारी एवं परिधान उद्योग के एक युग का अंत हो गया है।



1700 करोड़ रुपये से अधिक का समूह बन गई।

13 सितंबर 1937 को हरियाणा के भिवानी जिले के मानेहरू गांव में एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन संघर्ष, धैर्य और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रतीक रहा। वर्ष 1962 में कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) आने के बाद उन्होंने ग्राहकों की जरूरत और बजट के अनुरूप होजारी और निरंतर प्रयासों ने कंपनी को एक विश्वसनीय ब्रांड बना दिया, जो गुणवत्ता, नवाचार और मजबूत बाजार उपस्थिति के लिए जाना जाता है। डॉलर उन शुरुआती कंपनियों में शामिल रही, जिसने मध्य प्रदेश (अब मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़), उत्तर-पूर्व के सातों राज्यों और दार्जिलिंग जैसे पहाड़ी क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बनाई। व्यापारिक उल्लेखियों के अलावा श्री गुप्ता सामाजिक और सामुदायिक सेवा में भी सक्रिय रहे, वह आर्य प्रतिनिधि सभा से जुड़े रहे और बंगाल प्रांतिनिधि सभा की विभिन्न शाखाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक दूरदर्शी नेता और कंपनी की उल्लेखनीय यात्रा के मार्गदर्शक रहे श्री गुप्ता ने पांच दशकों से अधिक समय तक अटूट प्रतिबद्धता, दूरदर्ष्टि और ईमानदारी के साथ डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में कंपनी ने साधारण शुरुआत से आगे बढ़ते हुए होजारी और परिधान क्षेत्र में भारत की अग्रणी कंपनियों में अपनी पहचान बनाई। उनके नेतृत्व में डॉलर इंडस्ट्रीज 1700 करोड़ रुपये से अधिक का समूह बन गई।

मध्यप्रदेश शाखा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान

नवभारत, जबलपुर। इंडियन मंडिकल एसोसिएशन (आईएमए) मुख्यालय द्वारा 2 एवं 3 मई 2026 को हैदराबाद में आयोजित 235वीं केंद्रीय कार्यकारिणी की राष्ट्रीय बैठक में मध्यप्रदेश शाखा को उसके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया।



इस अवसर पर आईएमए मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. बी. एम. सरनागत एवं सचिव डॉ. दीपक साहू को राज्य में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान मध्यप्रदेश शाखा के लिए गर्व का विषय रहा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल नायक, राष्ट्रीय सचिव डॉ. सरवरी दत्ता एवं वित्त सचिव डॉ. पीयूष जैन सहित डॉ. वसंत लुंगी, डॉ. पी. आर. सोमवंशी और डॉ. मंजूषा गिरी सहित मुख्यालय के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में देशभर से आए चिकित्सकों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया। मध्यप्रदेश प्रतिनिधियों ने राज्य में किए जा रहे कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया। मध्यप्रदेश प्रतिनिधियों ने राज्य में किए जा रहे कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

नई दिल्ली, 3 मई 2026 भारतीय रिजर्व बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) में बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट (एसीसी) ने रोहित जैन को आरबीआई का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तीन साल के कार्यकाल के लिए की गई है, जो 3 मई 2026 या उसके बाद से प्रभावशील होगी। रोहित जैन मौजूदा डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल पूरा हो

रहा है। रोहित जैन अभी तक आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत थे और दिसंबर 2020 से सुपरविजन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस विभाग में जोखिम प्रबंधन, एनालिटिक्स और बैंकिंग प्रणाली की कमजोरियों का आकलन शामिल होता है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने इस पद के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों का इंटरव्यू लिया था, जिनमें बाद रोहित जैन के नाम को अंतिम मंजूरी दी गई।

मेटल स्टॉक्स में तेजी, निवेश का मौका

नई दिल्ली, 3 मई 2026 भारतीय शेयर बाजार में मेटल सेक्टर एक बार फिर निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद इस सेक्टर में मजबूत प्रदर्शन किया है, जिससे निवेश के नए अवसर बनते दिख रहे हैं।



ब्रोकरेज हाउस इस समय मेटल सेक्टर के कई बड़े शेयरों पर सकारात्मक रुख बनाए हुए हैं और निवेशकों को इन्हें अपने रडार पर रखने की सलाह दे रहे हैं। इस सेक्टर में सबसे प्रमुख नाम टाटा स्टील लिमिटेड का है, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड भी मेटल सेक्टर में मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं खनन क्षेत्र की कंपनी एनएम्डीसी लिमिटेड को भी आकर्षक डिविडेंड और आयनर ओर की मजबूत कीमतों के कारण खरीदने की सलाह दी जा रही है।

एल्यूमिनियम की बढ़ती मांग और इसकी सहायक कंपनी नोवेलिस का बेहतर प्रदर्शन इसे सवे समय के निवेश के लिए आकर्षक बना रहा है।

समाचार विशेष

राजनीति के 4 चेहरे बने हुए हैं सुर्खियों में



राजस्थान जयपुर. राजनीति भी बड़ी अजीब चीज है. इसमें मौके और शब्दों की बड़ी अहमियत है. कौन किस मौके पर क्या कह रहा है? क्यों कह रहा है? कौन शब्दों का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? किस के बहाने किसको शिकार बनाया जा रहा है? किस को उलझाया जा रहा है और किसको बचाया जा रहा है? इन सबके अलग-अलग अर्थ निकाले जाते हैं.

सचिन पायलट के अलावा 3 और कौन हैं, क्या है वजह?

सियासी गलियारों में अलग और सोशल मीडिया में अलग. राजनीति में क्रिया की प्रतिक्रिया लगभग आवश्यक सी है. दिग्गज नेता के एक बयान से सियासी गलियारों में तूफान भी आ जाता है वहीं एक बयान से खामोशी भी छा जाती है. फर्क यह है बोलने वाला कौन है और किसके बारे में बोला जा रहा है. यह पूरी तरह से इटैलीजेंसी का गेम है. राजस्थान की राजनीति में इन दिनों जो किरदार सबसे ज्यादा छाया हुआ है वह है कांग्रेस के दिग्गज नेता और सूबे के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट. इसके पीछे कई गहरे राज छिपे हैं. पायलट को निशाना भी बनाया जा रहा है और उनकी तारीफ कर उन्हें बचाया भी जा रहा है. बयानों की इस धमाचौकड़ी में पायलट मौन साधे हुए हैं. वे बस बयानों को सुन रहे लेकिन कुछ भी रिप्लेज नहीं कर रहे हैं. उनकी चुप्पी के बावजूद पूरी बयानबाजी उनके नाम पर हो रही है. यह बयानबाजी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय होने के साथ ही सोशल मीडिया पर चकल्लस बनी हुई है. सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म पायलट को लेकर हो रही बयानबाजी और प्रतिक्रियाओं से भरे हैं. पायलट को लेकर यह बयानबाजी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन के दौर से जबदस्त तेज हो गई.

बीजेपी अध्यक्ष के दौरे से शुरु हुआ बयानबाजी का दौर

नीतिन नवीन बीजेपी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद हाल ही में राजस्थान आए थे. उनका पहला कार्यक्रम राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट के निर्वाचन क्षेत्र टोक में हुआ था. बस यहीं से हमेशा सुर्खियों में रहने वाले पायलट फिर से जबदस्त चर्चा में आ गए. चर्चा में आने का कारण था राजस्थान बीजेपी के प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल का बयान. उनके बयान के बाद पूर्व सीएम अशोक गहलोत का बयान आया. फिर मदन राठौड़ भी बयानबाजी के इस दौर में शामिल हो गए.

पंजाब में आगे क्या करेगी भाजपा?



चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी के पंजाब के सांसद भाजपा के साथ चले गए हैं. इनमें राधव चड्ढा भी हैं, जिनको दिल्ली विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना कर अरविंद केजरीवाल ने पंजाब भेजा था और वहां से राज्यसभा पहुंचाया था.

आम आदमी पार्टी छोड़ने वालों में संदीप पाठक भी हैं, जिन्होंने दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को बतौर चुनाव रणनीतिकार चुनाव लड़ाया था. वे आप की राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्य थे. इन दो के अलावा बाकी सांसदों का कोई मतलब नहीं है.

चाहे हरभजन सिंह हों या अशोक मिश्र या राजेंद्र गुप्ता या विक्रमजीत सिंह साहनी हों. इन चारों का पंजाब की राजनीति में कोई मतलब नहीं और न स्वाति मालीवाल का दिल्ली की राजनीति में कोई अर्थ है. मतलब के दो लोग हैं राधव चड्ढा और संदीप पाठक.

भाजपा अकेले दम पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं

मुश्किल यह है कि पंजाब में भाजपा अकेले दम पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है. वह आप के आगे वया सारे विधायकों को भी अपनी पार्टी में शामिल करा कर चुनाव लड़ जाए तब भी वह दहाई में सीट नहीं जीत पाएगी. भाजपा को भी पता है कि आम आदमी पार्टी से जीते लगभग सभी विधायक पार्टी की हवा पर जीते थे. इसलिए भाजपा में आकर सब बोझ बनेंगे. दूसरी संभावना यह है कि आप में विभाजन करा कर भगवंत मान की सरकार गिरवा दी जाए. चड्ढा किसी नेता को आगे करे और वहां वह सरकार बनाने का दावा करे. सरकार नहीं बनने की स्थिति में केंद्र सरकार वहां राष्ट्रपति शासन लगा सकती है.

कविता की पार्टी के पीछे कौन है?

हैदराबाद. तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव यानी केसीआर की बेटी के कविता गैर राजनीतिक संगठन चला रही थीं. उन्होंने तेलंगाना जागृति संगठन बनाया था. लेकिन अब एक राजनीतिक दल का गठन कर लिया है, जिसका नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना यानी टीआरएस रखा है. पहले चंद्रशेखर राव की पार्टी का नाम भी टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र समिति था, जिसे पिछले चुनाव में उन्होंने बदल कर भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस कर दिया था. उसके बाद ही वे चुनाव हारे. अब उनकी पार्टी के पुराने नेता को अलग तरह से कविता ने पुनर्जीवित किया है. गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही उन्होंने दिल्ली के शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले में नैलीन पिट मिथली है. अब सवाल है कि कविता ने खुद अपनी स्वतंत्र राजनीति के लिए पार्टी बनाई है या उनके पीछे कोई

दूसरी ताकत है? या उन्होंने पार्टी बनाई है और अपनी ताकत दिखाने के बाद किसी दूसरी बड़ी पार्टी से तालमेल कर लेंगी या उसमें अपनी पार्टी का विलय कर देंगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि एककृत आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वार्डएसआर रेड्डी की बेटी वार्डएस शर्मिला ने भी तेलंगाना में पार्टी बनाई थी और खूब राजनीति की. उन्होंने ताकत दिखाने के बाद अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में कर दिया. कांग्रेस ने उनको आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है. संभव है कि कविता भी अपनी ताकत बढ़ाने के बाद ऐसा ही कुछ करें. उनके सामने भाजपा और कांग्रेस का विकल्प होगा. अपने पिता की पार्टी से उनकी दूरी बढ़ गई है. पहले वे पिता की बजाय भाई केटी रामाराव को दोष देती थीं लेकिन अपनी पार्टी बनाने के बाद उन्होंने के चंद्रशेखर राव पर भी हमला किया है.

विशेष झारखंड में बढ़ी राजनीतिक हलचल

नथवाणी कर सकते हैं रास चुनाव में दावेदारी

रांची. झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है. सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू हो चुका है. इसी बीच एक बार फिर उद्योगपति और पूर्व राज्यसभा सदस्य परिमल नथवाणी का नाम राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है. हालांकि अभी तक न तो सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से और न ही भाजपा की तरफ से किसी उम्मीदवार को आधिकारिक घोषणा की गई है, लेकिन यह चर्चा जोरों पर है कि नथवाणी एक बार फिर राज्यसभा की राजनीति में अपनी किस्मत आजमा सकते हैं. परिमल नथवाणी पहले भी झारखंड से

राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राज्य के कई विकाससात्मक मुद्दों पर सक्रियता दिखाई थी. यही कारण है कि उनका नाम सामने आते ही राजनीतिक समीकरणों की नई चर्चा शुरू हो गई है. नथवाणी की पहचान केवल उद्योग जगत तक सीमित नहीं रही है, बल्कि वे झारखंड के लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बेहतर संबंध रखने वाले व्यक्ति माने जाते हैं. यही संपर्क उन्हें एक संभावित स्वीकार्य उम्मीदवार के रूप में भी स्थापित करता है. राज्य में राज्यसभा की दो सीटें रिक्त हैं. शिबू

सोरेन के निधन से एक सीट रिक्त हुई है, जबकि भाजपा के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा होने वाला है. झामुमो-कांग्रेस के बीच सीट को लेकर रणनीति-राज्यसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर भी मंथन तेज है. झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे और उम्मीदवार चयन को लेकर अंदरूनी स्तर पर कनावट चल रही है. झामुमो अपने राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा चेहरा सामने लाना चाहता है जो गठबंधन में संतुलन बनाए रख सके, वहीं कांग्रेस भी इस बार अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने के मूड में दिखाई दे रही है.

भाजपा में भी अंदरूनी हलचल

उधर भाजपा के भीतर भी राज्यसभा चुनाव को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है. पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के राज्यसभा जाने की इच्छा जताने और इसके लिए झामुमो के कुछ नेताओं के संपर्क में होने की चर्चा ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है. बताया जाता है कि परिमल नथवाणी किसी दल विशेष की बजाय स्वतंत्र चुनाव लड़ना पसंद करेंगे. आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि नथवाणी केवल चर्चा तक सीमित रहते हैं या फिर वास्तव में राज्यसभा की दौड़ में मजबूत दावेदार बनकर उभरते हैं.